7 इंच ऊपर उठी सडक़, हादसे को दे रही आमंत्रण

देश का आठवां अजूबा: 11 साल, 72 किलोमीटर और भ्रष्टाचार की उड़ती सड़क!

शहडोल। विकास के दावों की धज्जियां उड़ानी हो या लेटलतीफी का कोई विश्व रिकॉर्ड देखना हो, तो शहडोल-उमरिया मार्ग (एनएच-43) पर चले आइए। महज 72 किलोमीटर का यह टुकड़ा पिछले 11 सालों से कछुआ गति से रेंग रहा है, जो अब आम जनता के लिए किसी देश के आठवें अजूबे से कम नहीं रह गया है।

साल 2015 में मंजूर हुआ यह प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन आज 2026 में भी बदहाली का यह सफर जस का तस है। जनता पूछ रही है कि आखिर कब तक इस खूनी और जर्जर सडक़ पर लोग अपनी जान हथेली पर रखकर सफर करते रहेंगे?

केंद्रीय मंत्री के निर्देशों को ठेकेदार ने दिखाया ठेंगा!

सडक़ निर्माण में हो रही इस घोर लापरवाही को लेकर दिल्ली तक हलचल हुई। 17 जुलाई को खुद केंद्रीय सडक़ परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में एक हाई-प्रोफाइल समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्य ठेका कंपनी जीवीआर को सख्त हिदायत दी गई थी कि किसी भी सूरत में दिसंबर 2024 तक काम मुकम्मल हो जाना चाहिए, लेकिन मजाल है कि ठेका कंपनी के कानों पर जूं तक रेंग जाए, मुख्य कंपनी ने इस काम को पेटी कॉन्ट्रैक्ट पर तिरुपति बिल्डकॉन को सौंप रखा है। केंद्रीय मंत्री की दो टूक चेतावनी के बाद भी जमीनी स्तर पर काम की रफ्तार में कोई तेजी नहीं आई। नतीजा यह हुआ कि दिसंबर 2024 की डेडलाइन हवा में उड़ गई और मप्र रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के शहडोल डीएम नया राग अलाप रहे थे कि मार्च 2025 तक काम पूरा करने का लक्ष्य है, लेकिन आधा वर्ष 2026 गुजने को है, जिम्मेदार सिर्फ तारीख पर तारीख बदल रहे हैं, पर जनता की तकदीर नहीं बदल रही।

आसमान छूती भ्रष्टाचार की परत

इस पूरी परियोजना में भ्रष्टाचार और लापरवाही का जो

कॉकटेल तैयार हुआ है, उसकी बानगी पिछले दिनों सोशल मीडिया पर साफ देखने को मिली। सोशल मीडिया पर स्थानीय युवाओं द्वारा वायरल किए गए एक वीडियो ने पूरे महकमे की पोल खोलकर रख दी है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घटिया निर्माण के कारण नई बनी सडक़ जमीन छोडक़र

करीब 7 इंच ऊपर की ओर उठ गई है।

सडक़ या मौत का लाइव स्टंट

जो सडक़ गाडिय़ों का बोझ संभालने के लिए करोड़ों की लागत से बनाई जा रही थी, वह खुद ताश के पत्तों की तरह उखडक़र हवा में तैर रही है। यह उठी हुई सडक़ कभी

भी किसी बड़ी दुर्घटना का सबब बन सकती है। लेकिन जिम्मेदार विभाग इस गंभीर मामले पर भी गहरी चुप्पी साधे बैठा है। अधिकारियों का रटा-रटाया जवाब है कि आने वाले दिनों में ठेकेदार इसे दुरुस्त कर देगा। सवाल यह उठता है कि निर्माण के वक्त ही गुणवत्ता का ख्याल क्यों नहीं रखा गया, क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही अफसरों की नींद टूटेगी?

10 किलोमीटर का यमलोक सफर

अगर आपको एडवेंचर का शौक है, तो पाली से नौरोजाबाद के बीच के 10 किलोमीटर के दायरे में आ जाइए। यह हिस्सा पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। वाहन चालकों को सडक़ पर गड्ढे नहीं, बल्कि गड्ढों के बीच सडक़ ढूंढनी पड़ती है। इस हिस्से के लिए एक वैकल्पिक मार्ग (डाइवर्जन) तो बना दिया गया है, लेकिन पाली में रेलिंग का निर्माण अधूरा होने के कारण इस नए हाईवे का उपयोग ही नहीं हो पा रहा है। हद तो तब हो जाती है जब हम जोहिला नदी के पुल से गुजरते हैं। इस ऊंचे पुल पर मजबूत रेलिंग का नामोनिशान नहीं है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने से हर पल यहां किसी गाड़ी के नदी में समा जाने का खतरा मंडराता रहता है।

एक तरफ निर्माण, दूसरी तरफ तबाही

इस मार्ग की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यहां एक तरफ पैचवर्क या निर्माण का दिखावा किया जाता है, तो दूसरी तरफ से सडक़ उखडऩे लगती है। गुणवत्ताहीन सामग्री का बेधडक़ इस्तेमाल और ठेकेदार की मनमानी साफ बयां कर रही है कि जनता के टैक्स के पैसे को किस तरह पानी में बहाया जा रहा है। नेताओं के खोखले वादे और अफसरों की सुस्ती ने संभाग की इस लाइफलाइन को नरकलाइन में तब्दील कर दिया है। सोशल मीडिया पर युवाओं के आक्रोश और वायरल वीडियो के बाद अब देखना यह है कि गूंगा-बहरा प्रशासन कब जागता है।

कलेक्टर ने दिखाई मानवीय संवेदना

सौरभ को किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी के लिए मिली आर्थिक सहायता

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा एवं मानवीय संवेदना दिखाते हुए शहडोल के वार्ड क्रमांक 8/11 (पंचायती मंदिर के पास) निवासी सौरभ ताम्रकार को रेडक्रॉस सोसाइटी से किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी हेतु 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के समक्ष आवेदक श्री सौरभ ताम्रकार की पत्नी द्वारा बताया गया था कि श्री ताम्रकार किडनी संक्रमण बीमारी से पीड़ित हैं तथा उनका किडनी ट्रांसप्लांट ऑपरेशन इंदौर स्थित अपोलो हॉस्पिटल में होना है। आवेदक की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उपचार कराना संभव नहीं हो पा रहा था। चिकित्सालय द्वारा उपचार हेतु लगभग 12 लाख रुपये का प्राक्कलन तैयार किया गया है।आवेदन प्राप्त होने पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मानवीय संवेदनाओं को प्राथमिकता देते हुए रेडक्रॉस सोसाइटी मद से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कर उपचार में सहयोग प्रदान किया है। गौरतलब है कि 27 मई को श्री सौरभ ताम्रकार का इंदौर अपोलो हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट की सर्जरी की जा चुकी है।

सीएमएचओ एवं डीपीओ द्वारा किया गया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अखिलेश मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से पड़मनिया खुर्द एवं बोडरी 2 में संचालित आरोग्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में दी जा रही बच्चों को संदर्भ सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की संख्या बढ़ाई जाए एवं आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से दी जाने वाली सुविधाएं बच्चों के प्रदाय करें।

जुआ फड़ पर पुलिस का छापा, उपसरपंच सहित 6 दबोचे, सरगना फरार

शहडोल। संभागीय मुख्यालय से सटे कोतवाली थाना क्षेत्र के विचारपुर माध्यमिक विद्यालय के पास सज रहे जुआ फड़ को पुलिस ने नेस्तनाबूद कर दिया है। मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए मौके से $22,510$ रुपये नकद जब्त कर 6 जुआरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि पकड़े गए आरोपियों में कल्याणपुर का उपसरपंच गुढ़निधि गुप्ता भी शामिल है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि इस पूरे अवैध कारोबार का मास्टरमाइंड अनिल पटेल है, जो हर दिन जगह बदल-बदल कर जुआ खिलवाता था। कार्रवाई के दौरान फड़ संचालक का गुर्गा और वार्ड नंबर 5 का पंच धरम प्रकाश उर्फ धन्नू पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

जयसिंहनगर में फाइनेंस के नाम पर फर्जीवाड़ा

स्पंदना स्फूर्ति कंपनी के कर्मचारी ने महिला को लगाया 16,500 का चूना

लोन की किस्त हड़प गया शातिर सुमित दत्ता

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में इन दिनों ऑनलाइन ठगों और फर्जी फाइनेंस कर्मियों का हौसला सातवें आसमान पर है। जयसिंहनगर के वार्ड क्रमांक 03 की रहने वाली एक बेसहारा और सीधी-सादी महिला रेणुका गुप्ता ऑनलाइन लेनदेन के मकडज़ाल में फंसकर बड़ी ठगी का शिकार हो गईं। स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल कंपनी के ही एक शातिर कर्मचारी ने खुद को कंपनी का सगा और बड़ा हितैषी बताकर महिला की गाढ़ी कमाई के 16500 रुपये पर सरेआम डाका डाल दिया। जब पीड़िता ने कंपनी दफ्तर के चक्कर काटे, तब जाकर इस बड़े फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ हुआ। न्याय के लिए तड़प रही महिला की शिकायत पर जयसिंहनगर थाना पुलिस ने आखिरकार एक्शन लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है।

किश्तों के नाम पर ऐंठे हजारों रुपये

पूरे मामले की कड़वी हकीकत यह है कि वार्ड क्रमांक 03 निवासी पीड़िता रेणुका गुप्ता ने वर्ष 2024 में स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल कंपनी से अपनी जरूरतों के लिए लगभग $42,000$ रुपये का लोन लिया था। एक ईमानदार कर्जदार की तरह रेणुका समय-समय पर अपने लोन की किस्तों का भुगतान भी कर रही थीं। इसी बीच कंपनी की साख पर बट्टा लगाते हुए उसके कर्मचारी सुमित दत्ता ने अपनी गिद्ध दृष्टि महिला पर गड़ाई। सुमित ने मोबाइल फोन के माध्यम से पीड़िता से संपर्क किया और किस्त जमा न होने का डर दिखाकर मानसिक दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी सुमित दत्ता ने खुद को कंपनी का एकमात्र अधिकृत प्रतिनिधि बताते हुए ऑनलाइन माध्यम से तुरंत रुपये जमा कराने का फरमान सुनाया। कंपनी का नाम और कर्मचारी का चेहरा देखकर पीड़िता उसके झांसे में आ गई और उसने भरोसे में आकर अलग-अलग किस्तों के रूप में कुल मिलाकर 16 हजार 500 रुपये की भारी-भरकम राशि आरोपी के बताए गए खाते और ऑनलाइन माध्यम से ट्रांसफर कर दी।

दफ्तर पहुंचते ही उड़े होश, कंपनी ने झाड़ा पल्ला

ठगी का यह खेल तब तक चलता रहा जब तक पीड़िता खुद तसल्ली के लिए स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल कंपनी के मुख्य कार्यालय नहीं पहुंच गई। वहां जब रेणुका ने अपने खाते की जांच कराई, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। कंपनी के अधिकारियों ने साफ कह दिया कि उनके द्वारा जमा की गई 16500 की राशि कंपनी के आधिकारिक खाते में दर्ज ही नहीं हुई है। तब जाकर पीड़िता को समझ आया कि कंपनी की आड़ में बैठा वही सुमित दत्ता उनके साथ धोखाधड़ी कर पूरी रकम डकार चुका है।

जांच के घेरे में आरोपी

मामले की गंभीरता को देखते हुए जयसिंहनगर थाना पुलिस ने पीड़िता रेणुका गुप्ता की लिखित शिकायत के आधार पर एनसीआर दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि आरोपी कर्मचारी के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जांच के उपरांत कड़ी वैधानिक व दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

फोन पर न करें भुगतान!

जयसिंहनगर में लगातार बढ़ रहे इन मामलों को देखते हुए पुलिस और सजग नागरिक लोगों से अपील कर रहे हैं कि किसी भी फाइनेंस कंपनी या बैंक की किस्त का भुगतान केवल और केवल अधिकृत कार्यालय में जाकर या कंपनी के ऑफिशियल ऐप के माध्यम से ही करें। किसी भी ऐरे-गेरे कर्मचारी के फोन करने या निजी क्यूआर कोड भेजने पर रकम ट्रांसफर करने की भूल कतई न करें, वरना आप भी सुमित दत्ता जैसे लोगों के शिकार बन सकते हैं।

खबर संक्षेप

भीषण गर्मी, जमकर तप रहा नौतपा

कोतमा। गुरुवार को सुबह से ही आसमान से जमकर आग बरस रही थी। अधिकतम तापमान 41 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा। आसमान से बरसती आग के चलते लोगों को सूर्य देव के प्रचंड तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही भीषण गर्मी लोगों की हालत बिगाड़ रही है। लू के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं दिन की शुरुआत के साथ ही सूर्य की तपन से धरती तपने लगती है। नगर की सड़कों में दोपहर में जरुरी काम वाले लोग ही नजर आते हैं, वो भी पसीने से तर-बतर रहते हैं। यही नहीं दुकानों में भी ग्राहक नहीं रहते भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते रहते हैं। कूलर पंखा एसी भी काम नहीं कर रहे हैं। भीषण गर्मी और धूप तेज होने के चलते दोपहर में लोग बाहर निकलने से बचते नजर आ रहे हैं। जो लोग घर से बाहर निकल रहे हैं, वह भी धूप व लू से बचने के लिए सिर व मुंह पर कपड़ा बांध कर निकल रहे। वर्तमान में जहां भीषण गर्मी के कारण बिजली का ओवरलोड बढ़ गया है जिसके कारण प्रतिदिन कहीं बिजली के पोल में लगे वायर एवं ट्रांसफार्मर ओवरलोड होने के कारण बिजली के केवल एवं ट्रांसफार्मर में आग लगने की घटना घटित हो रही है।

डॉ. रमेश लाल केवट ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

भालूमाड़ा। जिले के कोतमा तहसील अंतर्गत ग्राम दारसागर निवासी डॉ. रमेश लाल केवट ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। ग्रामीण परिवेश एवं सीमित संसाधनों के बीच शिक्षा प्राप्त करते हुए उन्होंने यह उपलब्धि हासिल कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। डॉ. रमेश लाल केवट ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन, कला, संस्कृति एवं लोक साहित्य विभाग से अपना शोध कार्य पूर्ण किया। उनका शोध विषय "जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए पारंपरिक कौशल ज्ञान का विश्लेषणात्मक अध्ययन (पुष्पराजगढ़ क्षेत्र की जनजातियों के विशेष संदर्भ में)" रहा। अपने शोध में उन्होंने बैगा, गोंड, पनिका, कोल एवं प्रधान जनजातियों के पारंपरिक कौशल, सांस्कृतिक ज्ञान एवं जीवनशैली का गहन अध्ययन किया। साथ ही जनजातीय समाज के सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए। उन्होंने पारंपरिक कौशलों को आधुनिक तकनीक एवं रोजगार से जोड़ने पर विशेष बल दिया, जिससे जनजातीय समाज आर्थिक रूप से मजबूत बन सके। डॉ. रमेश लाल केवट ने बताया कि उनका बचपन जनजातीय समुदायों के बीच बीता है, जिसके कारण उन्होंने उनके जीवन, परंपराओं एवं संघर्षों को निकट से समझा। इसी अनुभव ने उन्हें इस विषय पर शोध करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. रमेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय वर्ष प्रशिक्षित स्वयंसेवक हैं तथा तहसील एवं जिला स्तर पर शारीरिक, ग्राम विकास एवं बौद्धिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। इसके साथ ही वे किसान संघ में जिला संयोजक की जिम्मेदारी भी निभाते रहे हैं। साधारण एवं मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले डॉ. रमेश लाल केवट के पिता बलदीन केवट कोतमा कालरी में कर्मचारी रहे हैं।

जल गंगा दशहरा जल संवर्धन अभियान का दूसरे चरण का किया गया सफल आयोजन

कोतमा। जन अभियान परिषद विकास खंड कोतमा मुख्यमंत्री मोहन यादव के सराहनीय सोच को लेकर, विकास खंड समन्वयक सरिमन सकेत के निर्देशन में जन अभियान परिषद कोतमा के चयनित नवांकुर संस्था-ग्राम विकास समिति भगता के मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक 01 निगवानी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 28 मार्च से 4 जून

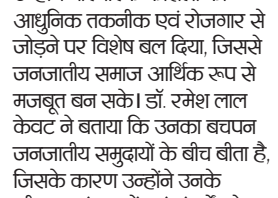

तक के अभियान में और 25 मई गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर तालाब, बावड़ी, जल स्त्रोत, नदी कि साफ सफाई, पूजन, जन जागरूक, दीवार लेखन, कलश यात्रा, भजन कीर्तन, जल संवाद किया गया। जिसमें सेक्टर क्रमांक-01 निगवानी के पांचों प्रस्फुटन समिति उरतान, सारंगढ़, सिलपुर, चाका, सिलपुर, के समिति, छात्र छात्रा, सामाजिक कार्यकर्ता, सरपंच, सचिव के सहयोग से यह जल गंगा दशहरा जल संवर्धन अभियान का दूसरा चरण का सफल आयोजन किया गया।

सीईओ ने भ्रष्टाचार पर लगाया था ताला, उपयंत्री और एसडीओ ने खोला

ऑफ रिकॉर्ड ठेकेदार की जेब भरने में लगा तकनीकी अमला

सरपंच-सचिव की गर्दन पर लटकी कार्रवाई की तलवार

शहडोल।

अंतिम छोर के व्यक्ति की पुकार सुनने का दंभ भरने वाली सरकार के दावे जयसिंहनगर जनपद में महज ढपोलशंख साबित हो रहे हैं। मैदानी हकीकत यह है कि ग्राम पंचायत बसोहरा में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि यहां विकास नहीं, बल्कि अफसरशाही और चहेते ठेकेदारों की तिजोरियां लबालब हो रही हैं। आस्था के केंद्र गौशाला परिसर में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत बन रही 14.98 लाख रुपये की बाउंड्रीवॉल इसका सबसे बड़ा और जीवंत सबूत है। इस पूरे खेल का सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि जनपद पंचायत जयसिंहनगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जैसे ही इस घटिया निर्माण की सुध ली, उन्होंने त्वरित एक्शन लेते हुए काम रुकवा दिया था। सीईओ की इस कडक़ और सराहनीय कार्रवाई से ग्रामीणों में न्याय की आस जागी थी, लेकिन जनपद के उपयंत्री और एसडीओ की जुगलबंदी ने सीईओ के आदेशों को धता बताते हुए इस मरे हुए भ्रष्टाचार में दोबारा जान फूंक दी। दोनों ने मिलकर काम फिर से शुरू करवा दिया और बेधडक़ चल रहे घटिया निर्माण को हरी झंडी दे दी।

उपयंत्री-एसडीओ की मौन सहमति

नियमों के मुताबिक, इस निर्माण कार्य को पंचायत को खुद कराना था, जिसमें 12.73 लाख रुपये सामग्री और 2.24 लाख रुपये मजदूरी पर खर्च होने थे, लेकिन पर्दे के पीछे से इस काम को उमरिया जिले के मानपुर के शिवम नामक एक रसूखदार ऑफ रिकॉर्ड ठेकेदार की बलि चढ़ा दिया गया है। सूत्रों की मानें तो उपयंत्री और एसडीओ का वरदहस्त प्राप्त यह ठेकेदार शिवम ही

हरिभूमि
भाजपा सरकार के अंत्योदय के दावों की उड़ी धज्जिय

इस पूरे भ्रष्टाचार की मुख्य धुरी है। उपयंत्री को निर्माण की गुणवत्ता से कोई सरोकार नहीं है, उन्हें मतलब है तो सिर्फ अपनी कमीशन की फाइल पास होने से। यही वजह है कि बीते सप्ताह तक जो काम बंद था, उसे अब युद्धस्तर पर इसलिए शुरू कराया गया है ताकि आनन-फानन में अधूरा, घटिया निर्माण पूरा कर जनता की गाढ़ी कमाई की राशि आहरित की जा सके।

लाल ईंटों और घटिया सरिए से खड़ी बाउण्ड्री

बाउंड्रीवॉल के नाम पर यहां गुणवत्ता को ताक पर रखकर रेत का महल खड़ा किया जा रहा है। प्लिंथ में एक-एक फीट की दूरी पर सरिया डाला गया है, जो किसी भी तकनीकी मानक के सख्त खिलाफ है। बीम में नाममात्र का सरिया डालकर उसे कंक्रीट से ढका गया है, ताकि ऊपर से सब चकाचक दिखे। निर्माण की हकीकत यह है कि यहां धड़ल्ले से प्रतिबंधित लाल ईंटों का उपयोग हुआ है और अब मौके पर ब्रिक्स भी लाकर रखी गई हैं। साफ़ है कि निर्माण एजेंसी और ठेकेदार शिवम ने उपयंत्री की शह पर स्टीमेट की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

सरपंच-सचिव की आत्मघाती नासमझी

इस पूरे महाघोटाले में ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव पूरी तरह से कठपुतली बने हुए हैं। मजे की बात तो यह है कि वे यह बुनियादी बात भी नहीं समझ पा रहे हैं कि यदि इस घटिया निर्माण का भुगतान हुआ, तो कार्रवाई की गाज सीधे उन पर गिरेगी। चतुर उपयंत्री कभी भी इस घटिया काम का मूल्यांकन कर अपनी कलम नहीं फंसाएगा और न ही शातिर एसडीओ इसकी सीसी (कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र) जारी करेगा। अंत में ठीकरा फूटेगा तो सिर्फ सरपंच-सचिव के सिर पर।

बिना वैध ठेके के कौन दे रहा रेत

जब पूरे जिले में रेत का वैध ठेका ही नहीं है, तो फिर रोहित इंटरप्राइजेस और मृगनयनी ट्रेडर्स जैसी फर्में खुलेआम इस निर्माण कार्य के लिए रेत की सप्लाई कैसे दे रही हैं? क्या खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन ने इन चहेती फर्मों को अवैध उत्खनन और परिवहन का अघोषित लाइसेंस दे रखा है, बिना रॉयल्टी की रेत से बन रही यह बाउंड्रीवॉल उस भ्रष्ट गठजोड़ का जीता-जागता सबूत है, जिसमें ठेकेदार शिवम, उपयंत्री और एसडीओ मुख्य किरदार हैं। यदि इस कार्य का किसी उच्च स्तरीय निष्पक्ष एजेंसी से भौतिक सत्यापन कराया जाए, तो जयसिंहनगर जनपद के तकनीकी अमले और ऑफ रिकॉर्ड ठेकेदारों के गठजोड़ का एक बहुत बड़ा घालमेल उजागर होना तय है।

स्थानीय मजदूरों का हक मारकर बाहरी को रेवड़ी

बसोहरा पंचायत के अपने स्थानीय मजदूर आज दाने-दाने को मोहताज हैं, लेकिन कमीशनखोरी के चक्कर में ठेकेदार शिवम ने पड़ोसी जिले उमरिया की मानपुर जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सेमरा से बाहरी मजदूर बुलाकर काम पर लगा दिया। सरकारी रिकॉर्ड में भारी विसंगतियां हैं, जहां अपनों को उपकृत करने के लिए मानपुर के मजदूरों को रेवड़ी की तरह सरकारी पैसा बांटा गया। रिकॉर्ड के अनुसार सुदर्शन 14,500 राजेश 14,500, लीला 7,250, सुभानी 7,250 का भुगतान दर्शाया गया। यह सभी मजदूर सेमरा के बताये गये हैं।

अवैध कोयला परिवहन करते वाहन धराया

उमरिया। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने चंदिया तहसील अंतर्गत महानदी फॉरेस्ट बैरियर के पास एक ट्रक को जांच के दौरान पकड़ा।खनिज अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनिज अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा की गई कार्रवाई में ट्रक क्रमांक एमपी 18 जेडडी 6011 को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान वाहन में खनिज कोयला का अवैध परिवहन पाया गया। कार्रवाई के दौरान ट्रक को जब्त कर चंदिया थाना में अभिरक्षा में रखा गया है। मामले में मध्यप्रदेश खनिज अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिज अमले ने बताया कि कलेक्टर एवं खनिज अधिकारी के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ सघन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

सचिव और सरपंच-भाई ने मिलकर लुटवा दीं तालाब की मछलियां!
पुलिस ने नहीं सुनी फरियाद, कलेक्टर की चौखट पर पहुंचा पीड़ित परिवार

वैध पट्टाधारी को 5 लाख की चपत

मानपुर।

तहसील अंतर्गत ग्राम कुम्हर्रा में पंचायत स्तर पर सरकारी रसूख और दबंगई का एक ऐसा घिनौना खेल सामने आया है, जिसने गरीब की आजीविका पर ही डाका डाल दिया। शासन के नियमों को ठेंगा दिखाते हुए ग्राम पंचायत कहराटोला के सचिव राधेलाल साहू और सरपंच के भाई कन्हैया गुप्ता पर एक वैध मछली पालन पट्टाधारी की वर्षों की मेहनत पर पानी फेरने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित सुरेश सिंह का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने मेहनत की गाढ़ी कमाई से तालाब में लाखों की मछलियां तैयार की थीं, लेकिन पंचायत की जुगलबंदी ने बिना किसी वैधानिक आदेश और पूर्व सूचना के, ग्रामीणों को उकसाकर तालाब की सारी मछलियां अवैध रूप से पकड़वा दीं। इस घोर अंधेर नगरी-चौपट राजा वाले कृत्य से पीड़ित को लगभग 5 लाख रुपये की सीधी आर्थिक चपत लगी है, जिससे उसका पूरा परिवार दाने-दाने को मोहताज हो गया है।

सीधे आजीविका पर डकैती!

मामला ग्राम पंचायत कहराटोला के अंतर्गत आने वाले तालाब का है, जिसका मत्स्य पालन पट्टा पीड़ित सुरेश सिंह के नाम पर विधिवत स्वीकृत था। जब तालाब में मछलियां पूरी तरह तैयार हो चुकी थीं और उन्हें बाजार में बेचकर परिवार का भरण-पोषण होना था, ठीक उसी वक्त सचिव राधेलाल साहू और सरपंच-भाई कन्हैया गुप्ता ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए एक बड़ा षड्यंत्र रच डाला। इन जिम्मेदार चेहरों के इशारे पर भीड़ ने तालाब पर धावा बोल दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरी मछली लूट से पहले न तो पट्टाधारी को कोई नोटिस दिया गया और न ही पट्टा निरस्तीकरण की कोई वैधानिक कागजी कार्रवाई की गई। साफ है कि कानून को ताक पर रखकर इस वारदात को अंजाम दिया गया।

थानों के चक्कर काट-काटकर हारा पीड़ित

इस पूरे मामले का सबसे दुखद पहलू यह है कि पीड़ित सुरेश सिंह ने अपनी आजीविका लुटने के बाद न्याय के लिए थाना मानपुर और उमरिया में लिखित आवेदन देकर गुहार लगाई थी, लेकिन रसूखदारों के दबाव में कहें या पुलिस की लापरवाही के चलते, आज तक इस गंभीर मामले पर कोई एफआईआर तो दूर, जांच तक शुरू नहीं की गई। जब रक्षक ही मौन साध लें और रसूखदार पीड़ित को खुलेआम धमकियां देने लगें, तो न्याय की उम्मीद दम तोडऩे लगती है। पुलिस की इसी बेरुखी से आहत होकर पीड़ित ने आखिरकार कलेक्टर की चौखट पर सिर पटका है।

कलेक्टर से न्याय की अंतिम आस

अब यह पूरा मामला जिला प्रशासन के पाले में है। पीड़ित सुरेश सिंह ने कलेक्टर को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर मांग की है कि पूरे मछली लूट कांड की बारीकी से जांच हो। सचिव राधेलाल साहू, सरपंच-भाई कन्हैया गुप्ता और अन्य संलिप्त लोगों पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई दोषियों की जेब से कराई जाए। मछली पकड़वाने की कथित अनुमति और पट्टे से जुड़े कथित आदेशों की प्रतियां सार्वजनिक की जाएं।

जिलेभर में आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया कुर्बानी का पर्व बकरीद

जगह-जगह अदा की गई नमाज, अमन चैन की मांगी दुआ

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

ईद-उल-अजहा यानी बकरीद का पर्व गुरुवार को पूरे जिलेभर में परंपरागत तरीके से मनाया गया। त्याग और समर्पण के प्रतीक स्वरूप कुर्बानियां दी गई। बकरीद की नमाज पढक़र मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अमन शांति एवं खुशहाली की दुआएं मांगी। जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित कोतमा, जमुना कालरी, बदरा, जैतहरी, भालूमाड़ा, राजनगर, रामनगर, बिजुरी, चचाई, अमलाई, वैंकटनगर राजेंद्रग्राम सहित अन्य स्थानों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाहों में नमाज अदा कर विभिन्न धर्मों के बीच शांति एवं भाईचारा बने रहने की कामना की। जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित वार्ड क्रमांक 2 स्थित चंदास नदी के पास बने ईदगाह पर बकरीद की नमाज अनूपपुर मुख्यालय में हाफिज मोहम्मद सलमान रजा मदीना जामा मस्जिद अनूपपुर के द्वारा अदा कराई गई। नमाज में हजारो की तादाद में मुस्लिम समुदाय के नमाजियों ने ईदगाह मे शामिल होते हुए अल्लाताला के सजदे में सिर नवाए। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं दी। कोतमा में लहसुई गांव स्थित ईदगाह, इस्लाम गंज मस्जिद, बनिया टोला मस्जिद में सुबह 9 बजे नमाज पढ़ी गई। शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु ईदगाह स्थल में एसडीएम सतीष वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आरती शाक्य, थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ला सहित पुलिस कर्मचारी पटवारी अभिमन्यु पाल सहित राजस्व नगर पालिका अमला उपस्थित थे। सभी धर्मों के लोगों ने इस्लाम धर्मावलंबियों से गले मिलकर बधाई दी। घर-घर पकवान बने। एक दूसरे के घर जाकर लोगों ने पकवान भी बांटे। जिला मुख्यालय में कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह ने भी बधाई दी। जिला मुख्यालय में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडे, एसडीएम कमलेश पुरी, एसडीओपी, तहसीलदार, टीआई कोतवाली, यातायात प्रभारी उपस्थित थे। कोतमा नगरवासियों के अनुसार ईद उल जुहा की तैयारियों में पूर्व से ही जुटे मुस्लिम समुदायों के लोगों ने कुर्बानी के लिए बढ़-चढ़ कर बकरों की खरीदारी की। भालूमाड़ा नगर में मुस्लिम पर्व ईद उल जुहा (बकरीद) का पर्व शांति सद्भाव से मनाया गया। नगर के लोगों ने ईदगाह में ईद उल जुहा की नमाज अदा की। दफाई नंबर 3 के छोटी मस्जिद व जमुना कॉलरी में भी वार्ड क्रमांक 2 में नमाज अदा की गई। ईदगाह में नमाज सुबह अदा की गई, कोयलांचल नगर अमलाई बाजार जाने वाले रास्ते पर स्थित मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के द्वारा नमाज अदा की गई है, सुबह से ही प्रशासन तथा चचाई थाने का स्टाफ उपस्थित रहा है। कोतमा में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ला के द्वारा पेट्रोलियम टीम बनाई गई थी जो नगर में घूम कर शांति व्यवस्था का जायजा लेती रही साथ ही सभी मस्जिदों के सामने पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

डाली बनी डॉक्टर तो मधु ने संभाला परिवहन विभाग, नगर पालिका पसान में हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र की बेटियों ने अपनी मेहनत और लगन से नगर एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। जमुना कॉलोनी वार्ड क्रमांक-1 निवासी कुमारी डाली पनिका पिता बलराम भीम पनिका ने डॉक्टर की डिग्री हासिल कर शहडोल मेडिकल कॉलेज में पदभार ग्रहण किया है। वहीं वार्ड क्रमांक-3 निवासी कुमारी मधु सिंह पिता जय राम सिंह का चयन बिहार के पटना में परिवहन विभाग में उप निरीक्षक पद पर हुआ है। दोनों बेटियों की इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। बताया गया कि डाली पनिका के पिता टेंट हाउस का कार्य करते हैं, जबकि मधु सिंह के पिता भूसा व्यवसाय से जुड़े हैं। संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद दोनों परिवारों ने अपनी बेटियों को बेहतर शिक्षा एवं संस्कार प्रदान किए, जिसका परिणाम आज सफलता के रूप में सामने आया है। नगर की दोनों प्रतिभाशाली बेटियों का सम्मान 28 मई को नगर पालिका परिषद पसान कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रामअवध सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल बहादुर जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, अजय यादव, दिवाकर विश्वकर्मा, सचिन जायसवाल, पार्षद श्रीमती सविता रूपेश सिंह, विकास जायसवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष रीता सिंह, महामंत्री मीनू तिवारी, जय राम सिंह, रविंद्र सिंह, अर्जुन सिंह, विवेक सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी लोगों ने चयनित बेटियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रामअवध सिंह, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह एवं लाल बहादुर जायसवाल ने कहा कि यह पूरे नगर और जिले के लिए गौरव की बात है। बेटियों ने अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति के अंदर दृढ़ संकल्प और मेहनत करने की क्षमता हो तो वह जीवन में किसी भी ऊंचाई को प्राप्त कर सकता है।

खबर संक्षेप

प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

स्लीमनाबाद। यादव शक्ति संगठन द्वारा आल्हा -उदल जयंती पर बड़ागांव ग्राम पर यादव समाज धर्मशाला मै कार्यक्रम आयोजित किया गया!जहाँ यादव शक्ति संगठन द्वारा यादव समाज के प्रतिभावान विद्यार्थी जिन्होंने कक्षा 10 वी ओर 12 वी मै 70 फीसदी से ज्यादा अंक अर्जित किये हैं उनका सम्मान किया गया!साथ सामाजिक जनों से आग्रह किया गया कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सामाजिक जनों को आगे आकर अपनी सहभागिता तन, मन ओर धन से निभानी पड़ेगी!यदि समाज मै कोई व्यक्ति निर्धन हैं तो उसकी पढ़ाई पूरी हो सके, किसी शादी धन के अभाव मै नही हो रही तो ऐसी जरूरतों के लिए सामाजिक जनों को आगे आकर सहभागिता करनी चाहिए!जिससे समाज का विकास हो सके!इस दौरान बड़ी संख्या मै यादव सामाजिक जनों की उपस्थिति रही।

शिक्षकों का शैक्षणिक सत्र 15 जून से प्रारंभ करने की मांग

स्लीमनाबाद। वर्तमान में समूचे मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिलों में तापमान लगभग 45 डिग्री से अधिक की स्थिति में है । शासन के मौसम विभाग द्वारा जनहित में एडवाइजरी भी जारी की जा रही है कि लोग इस प्रचंड धूप एवं लू से बचने का प्रयास करें, वहीं दूसरी ओर स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार प्रदेश के समस्त लाखों शिक्षकों का शैक्षणिक सत्र 1 जून से प्रारंभ किए जाने के आदेश हैं । मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के प्रांत अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी, प्रमुख महामंत्री किशन रजक, प्रांतीय महामंत्री कमलेश त्रिपाठी, राजीव पाठक, अनिल नामदेव, अकील अंसारी, कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष आलोक परमार, शशि भूषण तिवारी, स्मृति रतन मिश्रा, श्रीमती नीलू उपाध्याय, प्रांतीय उपाध्यक्ष जनाब जावेद खान, एस के द्विवेदी, मुकेश यादव, रमाकांत शुक्ला, प्रांतीय सचिव श्रवण पाठक, मन्नू लाल शर्मा आदि समस्त प्रांतीय पदाधिकारी ने स्वहस्ताक्षर युक्त पत्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग, आयुक्त लोक शिक्षण, अध्यक्ष कर्मचारी कल्याण परिषद एवं नेता प्रतिपक्ष मध्य प्रदेश विधानसभा को प्रेषित करते हुए आग्रह किया है कि शिक्षकों की जीवन रक्षा को दृष्टिगत रखते हुए नवीन शैक्षणिक सत्र 15 जून से प्रारंभ किया जावे । संगठन ने शासन को आश्वस्त कराया है कि 1 जून से 15 जून तक संपन्न कराए जाने वाले समस्त शालेय कार्यक्रमों को शिक्षक 15 जून के पश्चात अपना अतिरिक्त समय देकर पूर्ण कर लेंगे।

जोन कार्यालय में भी करा सकेंगे समग्र आई.डी के कार्य

कटनी। नागरिकों की सुविधा एवं समग्र आई.डी से संबंधित कार्यों की सुविधा आसानी से प्राप्त करने की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर अब नगर निगम कार्यालय के अलावा जोन कार्यालय क्रमांक 2 दुर्गा चौक खिरहनी सहित जोन कार्यालय माधव नगर के माध्यम से भी समग्र आई डी बनवाने एवं आवश्यक सुधार कार्यो हेतु सुविधा प्राप्त हो सकेगी। इस संबंध में उपायुक्त श्री शैलेश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों की सुविधा के मद्देनजर नगर निगम कार्यालय के समग्र केन्द्र से वार्ड क्रमांक 1 से 12 तक तथा वार्ड क्रमांक 22 से 27 तक तथा वार्ड क्रमांक 29 से 37 तक के नागरिकों के समग्र आई से संबंधित कार्य हेतु कम्प्यूटर आपरेटर निखिल तिवारी की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं जोन क्रमांक 2 दुर्गा चौक खिरहनी के वार्ड क्रमांक 13 से 21 तक के नागरिकों के समग्र आई.डी संबंधी कार्य हेतु कम्प्यूटर आपरेटर श्रीमती ज्योति मिश्रा को नियुक्त किया गया है। जबकि इसी प्रकार जोन कार्यालय 4 माधवनगर के वार्ड क्रमांक 28 तथा वार्ड क्रमांक 38 से 45 तक के नागरिकों के समग्र आई.डी संबंधी कार्य हेतु रितिका पांडेय को नियुक्त किया गया है।

सोन नदी घाट पर एसडीएम मानपुर ने किया औचक निरीक्षण

सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दो नावें जब्त

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर जिले में संचालित नौका विहार स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के लिए प्रशासन द्वारा औचक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मानपुर हरनीत कौर कलसी ने ग्राम झाल, तहसील मानपुर क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सोन नदी के किनारे स्थित झाल घाट एवं विजयसोता,जिला शहडोल के बीच संचालित नावों की जांच की गई। इस दौरान नाव चालक राम विशाल केवट निवासी विजयसोता तथा रनुआ केवट पिता झोरा केवट निवासी झाल द्वारा बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के नौका संचालन करते पाया गया।

जांच में नावों में लाइफ जैकेट,लाइफ रिंग तथा अन्य आवश्यक जीवन रक्षक उपकरणों की कमी पाई गई, जो भविष्य में गंभीर दुर्घटना और जनहानि का कारण बन सकती थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम मानपुर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों नावों को जप्त कर ग्राम पंचायत के सुपुर्द कर दिया। इसके साथ ही ग्राम सचिव, पटवारी एवं पंचायत समन्वयक झाल को निर्देश दिए गए कि घाट क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जाए तथा बिना सुरक्षा मानकों का पालन किए किसी भी प्रकार का नौका विहार संचालित न होने दिया जाए।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि विजयसोता से झाल आ रही नाव, जिसका संचालन राम विशाल केवट कर रहे थे, उसमें लाइफ जैकेट उपलब्ध नहीं थीं। वहीं झाल से विजयसोता जा रही नाव, जिसका संचालन सुआ केवट द्वारा किया जा रहा था, उसमें निर्धारित संख्या से कम लाइफ जैकेट मौजूद थीं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बाघ हमले की घटना में साहसिक कार्य हेतु रेंज ऑफिसर सम्मानित

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेरवा टोला में 24 मई 2026 की रात्रि एक बाघ के घर में प्रवेश कर हमला करने से एक महिला की मृत्यु हो गई तथा एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

घटना की सूचना मिलते ही परिक्षेत्र अधिकारी पतौर सुश्री अंजू वर्मा अपने स्टाफ के साथ तत्काल मौके पर पहुंचीं और घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने तथा रेस्क्यू कार्य में सहयोग प्रदान किया। घटना के दौरान क्षेत्र में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे तथा परिस्थितियाँ अत्यंत संवेदनशील बनी हुई थीं। चुनौतीपूर्ण हालात के बीच सुश्री अंजू वर्मा ने धैर्य, साहस एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए प्रशासन एवं ग्रामीणों के मध्य समन्वय स्थापित किया तथा स्थिति को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने मौके पर मौजूद वन अमले एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए रेस्क्यू कार्य को सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया।

सुश्री अंजू वर्मा वर्ष 2016 बैच की रेंज ऑफिसर हैं और वर्तमान में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर परिक्षेत्र में पदस्थ हैं। उनके साहसिक, संवेदनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्य को देखते हुए क्षेत्र संचालक,बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा उन्हें 25 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिले के लिए नीम कोटेड 1450 एमटी यूरिया की पहुंची रैक, मिलेगी पर्याप्त खाद

हरिभूमि न्यूज: कटनी जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संवाद और सार्थक प्रयासों की वजह से वर्तमान में जायद फसलों के लिए सर्वाधिक मांग वाली उर्वरक यूरिया खाद की एक और रैक मंगलवार को झुकेही रैक प्वाइंट पर आ गई है। इससे कटनी जिले को 1450 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया मिली है। झुकेही रैक पाइंट से परिवहन कर यूरिया जिले में लाई जा रही है। जिले में यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। उपसंचालक कृषि ने बताया कि रैक से आई नीम कोटेड यूरिया में से कटनी डबल लॉक केन्द्र के लिए 320 मीट्रिक टन, बहोरीबंद डबल लॉक केन्द्र के लिए 150 मीट्रिक टन तथा मझगवां बड़वारा डबल लॉक केन्द्र के लिए 200 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया उर्वरक आवंटित की जायेगी।

अमरकंटक में गरज-चमक संग बरसी राहत की फुहारें

नौतपा की तपिश पर मेघों का पहरा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की पावन धार्मिक, आध्यात्मिक एवं प्राकृतिक धरोहर नगरी अमरकंटक में नौतपा के चौथे दिन मौसम ने अप्रत्याशित रूप से करवट लेते हुए लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत प्रदान की। गुरुवार 28 मई को दोपहर बाद अचानक आसमान में घने काले बादलों का डेरा जम गया और देखते ही देखते गरज-चमक तथा तेज हवाओं के साथ लगभग आधे घंटे तक वर्षा होती रही। बारिश की ठंडी फुहारों ने पूरे वातावरण को शीतल बना दिया और नौतपा की तीखी तपिश काफी हद तक थम गई। पिछले कई दिनों से तेज धूप और उमस भरी गर्मी झेल रहे लोगों ने मौसम में आए इस परिवर्तन का खुलकर आनंद लिया। वर्षा के बाद अमरकंटक का अधिकतम तापमान घटकर 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा। तापमान में आई गिरावट से मौसम सुहावना और मनमोहक बना रहा। वहीं अमरकंटक का वायु गुणवत्ता सूचकांक 81 दर्ज किया गया, जो स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण का संकेत देता है। दोपहर से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू हो गई थी। कुछ ही देर बाद तेज गर्जना और चमक के साथ बारिश प्रारंभ हुई, जिससे नगर सहित आसपास के वनांचल क्षेत्रों में भी मौसम पूरी तरह बदल गया। बारिश के दौरान चल रही ठंडी हवाओं ने वातावरण में ताजगी घोल दी और लोगों को गर्मी से राहत का अहसास

माहवारी स्वच्छता दिवस का किया गया आयोजन

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार ग्राम सलैया-5, विकासखंड करकेली में माहवारी स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को जिला कार्यक्रम प्रबंधक दशन पन्द्राम ने संबोधित करते हुए बताया कि मासिक धर्म एक सामान्य एवं प्राकृतिक प्रक्रिया है। सही स्वच्छता और उचित देखभाल से संक्रमण एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना है।

डॉ. हर्षा पाटील ने किशोरियों एवं महिलाओं को माहवारी चक्र के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 28 मई की तिथि इसलिए चुनी गई है क्योंकि महिलाओं के मासिक चक्र की औसत अवधि 28 दिन होती है तथा माहवारी औसतन 5 दिनों तक चलती है, जिसका प्रतीक मई माह माना गया है।

डॉ. हर्ष पाटिल (सीपीएचसी) ने माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन पर चर्चा करते हुए कहा कि किशोरियों एवं महिलाओं को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए तथा पोषणयुक्त भोजन ग्रहण करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक तीन से छह माह के बीच हीमोग्लोबिन की जांच करानी चाहिए। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि किशोरियों में माहवारी सामान्यतः 9 से 16 वर्ष की आयु के बीच प्रारंभ हो जाती है और यदि ऐसा न हो तो चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लेना चाहिए।

उन्होंने बताया कि माहवारी के प्रारंभिक समय में पेट के निचले हिस्से में दर्द होना सामान्य बात है। ऐसे समय में गुनगुने पानी से सिकाई करने पर राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिससे घबराने या इसे छिपाने की आवश्यकता नहीं है।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम सलैया-5 में जागरूकता रैली निकालकर प्रचार-प्रसार किया गया। परामर्शदाता राकेश चौधरी एवं साथिया प्रशिक्षक प्रकाश असाटी द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में पूजा राय ने प्रथम, सोनम विश्वकर्मा ने द्वितीय तथा करिश्मा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में कृष्णा यादव, रश्मि रैदास एवं जानकी यादव ने भाग लिया। वहीं मेहंदी प्रतियोगिता में ज्योति यादव, करिश्मा यादव एवं रागिनी बैगा ने सहभागिता की। इस अवसर पर आशा सुपरवाइजर सुधा सिंह, आशा कार्यकर्ता बाबी यादव, गीता सिंह, अंजू सिंह, निराशा रैदास, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वंदना धुर्वे सहित ग्राम की महिलाएं एवं किशोरियां उपस्थित रहीं।

न्यून प्रगति पर बीईओ बड़वारा व रीठी को थमाया शोकाज नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों को सर्वोच्च प्राथमिकता से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए मानव दिवसों के सृजन में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाना सुनिश्चित करें। विगत वर्षों के मनरेगा,जल गंगा संवर्धन अभियान, वाटरशेड एवं अन्य योजनाओं के निर्माणाधीन,अपूर्ण एवं नवीन स्वीकृत प्रगतिरत कार्यों को विशेष कार्य योजना तैयार कर तकनीकी मानकों का पालन करते हुए नियत समय में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं। कुछ इस तरह के निर्देश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की वर्चुअली समीक्षा करते हुए दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के तकनीकी अधिकारी, जिला पंचायत की विभिन्न योजनाओं के प्रभारी अधिकारी, बीईओ, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा एवं वाटरशेड के बीसी भी कनेक्ट रहे। सुश्री कौर ने सख्त लहजे में कहा कि राज्य शासन एवं जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर निर्माण एवं विकास कार्यों में प्रगति लाएं। किसी भी प्रकार की सुस्ती या लापरवाही पाए जाने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

इस दौरान उन्होंने विकासखंड वार चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। बीईओ बड़वारा और रीठी द्वारा वाश ऑन व्हील के अंतर्गत पोर्टल पर शालाओं की डिमांड अपलोड कराए जाने की प्रगति न्यून पाए जाने पर शोकाज नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड विजिट कर प्रॉपर मॉनिटरिंग करें ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को समय-समय पर परखा जा सके।

मुख्य सचिव ने वीसी से की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

खेती और खाद्य प्रसंस्करण के विकास पर विशेष ध्यान दें कलेक्टर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर्स सुशासन पर ध्यान दें। आमजनता के कल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का तत्परता से निराकरण कराएं। कोई भी शिकायत 50 दिन से अधिक समय तक लंबित न रहे। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के सभी प्रकरण तय समय सीमा में निराकृत कराएं। इन प्रकरणों में समय सीमा में कार्यवाही न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करें। बारिश शुरू होने से पहले बाढ़ राहत तथा आपदा प्रबंधन की समीक्षा कर लें। अतिवृष्टि की स्थिति में राहत शिविर बनाने तथा बाढ़ से राहत और बचाव के सभी प्रबंध कर लें। किसी भी स्थिति में जन-धन की हानि न्यूनतम रखने का प्रयास करें।

इधर कटनी के कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष से कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा वर्चुअली जुड़े रहे। इनके अलावा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर, निगमायुक्त तपस्या परिहार, डीएफओ गर्वित गंगवार, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, क्षेत्रीय प्रबंधक मध्य प्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम साधना परस्ते तथा अन्य विभागों के जिला अधिकारी भी बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े रहे।

मुख्य सचिव ने कहा कि जिला सड़क सुरक्षा समिति की हर माह बैठक आयोजित करके यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं। सड़कों से ब्लैक स्पाट कम करने और दोपहिया वाहन में हेलमेट की अनिवार्यता से ही बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली असयम मौतों को रोका जा सकता है। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष के 9 महीनों में सड़क दुर्घटना तथा होने वाली मौत में कमी आई है। ई डॉर पोर्टल पर दुर्घटना की जानकारी तत्काल दर्ज कराएं। दुर्घटना होने पर प्रधानमंत्री राहत योजना से पीड़ितों को उपचार की निःशुल्क सुविधा दें। राहवीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। दुर्घटना पीड़ितों को समय पर मदद देकर हम उनकी जान बचाने का पुण्य कार्य करते हैं। कलेक्टर्स खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर कड़ी कार्रवाई करें। इन पर लगाए गए जुर्माने की राशि की कठोरता से वसूली करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर्स खेती तथा उससे जुड़े विभागों की गतिविधियों की नियमित समीक्षा करें।

समर कैंप में बच्चे सीख रहे खेल की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

तहसील मुख्यालय स्लीमनाबाद में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा समर कैंप आयोजित किया जा रहा है।5 मई से शुरू हुआ ग्रीष्मकालीन समर कैंम्प 5 जून तक चलेगा।जिसमें प्रत्येक दिन सुबह प्रार्थना सभा, योगा कला ,गायन ,वादन, नृत्य ,व्यायाम एवं खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। वालीबाल , खो खो, कबड्डी , दौड़ ,रस्सी कूद खेलों की गतिविधियों आयोजित हो रही हैं। खेल प्रशिक्षको के द्वारा स्कूली बच्चों को खेल की बारीकियां सिखाई जा रही है।

खेल समन्वयक चेतना झा ने कहा कि इससे बच्चों में मानसिक ,बौद्धिक एवं शारीरिक विकास संतुलित होगा। बच्चे ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग कर खेलों की बारीकिया सीख रहे हैं।बच्चों को प्रतिभावान बनाने के लिए इस समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है । खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 5 जून तक ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा।समर कैंप पर प्रतिदिन सुबह 6 से 8 बजे तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।जिसमे वॉलीबाल ,खो-खो, कबड्डी एवं फुटबाल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

स्लीमनाबाद विलियम हैनरी स्कूल मैं सलमान अहमद के द्वारा समरकैंम्प मैं विभिन्न प्रकार के खेल कूद प्रतियोगिताओं के गुण सिखाये जा रहे है। बहोरीबंद मे भी चल रहा प्रशिक्षण-ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर के तहत आरोहा समर कैंप 2026 के अंतर्गत बहोरीबंद में पाठशाला स्कूल व स्लीमनाबाद के विलियम हेनरी स्कूल में समर कैंप के घटक फीता इण्डिया मूवमेंट के तहत योगा मोटिवेशन स्पीच जुम्बा डांस स्कील व टेशट आदि से अवगत कराया जा रहा हैं। कोच सलमान अहमद,सौरभ राजपूत ओर राकेश विश्वकर्मा के द्वारा समर कैंम्प आयोजन मे सहभागिता की जा रही है जिनके द्वारा बालक -बालिकाओं को खेलों की बारीकियां सिखाई जा रही है। समरकैंम्प में 120 बच्चें प्रतिभागिता कर रहे है।

खबर संक्षेप

गौ वंश की रक्षा के लिये मोदी सरकार करे पहल- ब्रम्हानंद गर्ग

अनूपपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर गौवंश की सुरक्षा हेतु कानून बनाकर उनका संरक्षण करना चाहिए। इसके लिये गौ सेवा आयोग या ऐसी कोई मजबूत संस्था का गठन किया जाए जो देश भर मे गायों का संरक्षण करे। अनूपपुर रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर संकटमोचन हनुमान जी का मन्दिर है। जिसमे बाल स्वरुप सिद्ध हनुमान जी की अत्यंत सुन्दर सी स्वयंभू प्रतिमा विराजित हैं। यहाँ के पुजारी ब्रम्हानंद गर्ग हनुमान जी के सेवक हैं और इनके बारे मे विख्यात है कि वह जो भी अचानक कह देते हैं, वह सत्य साबित हो जाता है। उन्होंने पहले भी नगर की राजनीति और अन्य मुद्दों पर कभी कुछ कहा, तो वह सच साबित हुआ है। आप गौसेवक हैं और गायों की सेवा करते हैं। मन्दिर मे जो भी थोडा बहुत चढावा मिलता है, उसका उपयोग वे गायों के चारा दाना की व्यवस्था मे करते हैं। सडकों पर भटकते, दुर्घटना मे घायल या मरते गौ वंश को लेकर वे दुखी रहते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उपरोक्त मांग करते हुए कहा कि गौ सेवा प्रमुख धर्म है। गायो को पालने मे लोग स्वयं को अक्षम पा रहे हैं। चारा, दाना, खली, चुनी, इलाज सब मंहगा होने से पशु पालकों के सामने बडी समस्या हो गयी है। सरकार मदद के लिये आगे आए और गौसेवा को रोजगार से जोडने की योजना बनाए। उन्होंने कहा कि यह अपेक्षा केवल मोदी सरकार से की जा सकती है। उन्हे इस दिशा मे आवश्यक कदम उठाना चाहिये।

युवक ने लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत बुढानपुर गांव निवासी विकास उर्फ नत्थू पिता सत्यनारायण प्रजापति उम्र लगभग 20 वर्ष ने अपने ही घर में बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात लगभग 02 से 04 बजे फांसी लगा लिया, सुबह 08 बजे जब घर का दरवाजा न खुलने तथा घर में बंधे मवेशियों के चिल्लाने से मोहल्ले के कुछ लोगों ने बाड़ी कूद कर घर में प्रवेश किया तो देखा, कि विकास अपने पर्छी के गोले में लटका हुआ था जहां पर बगल से ही सीढी लगी थी व उसके नीचे टेबल फैन और गिलास लोटा रखा था। लोगों ने कोतमा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच पंचनामा तैयार कर शव पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंपते हुए आत्महत्या के कारणों की विवेचना मे जुट गई है। बताया जाता है कि विकास उर्फ नत्थू घर से बाहर काम करने गया था, अभी कुछ ही दिन पहले अपने घर आया था, जो अपने पिता के साथ रहता था, उसकी मां की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी, दो दिन पूर्व ही उनके पिता सत्यनारायण अपने बेटी के घर गए थे। विकास घर में अकेला ही था। किंतु न जाने ऐसा क्या हो गया जिसने अपनी ही लीला समाप्त कर ली या फिर कोई और कारण है। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

ग्राम सिवनी संगम में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन कल

अनूपपर। तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम सिवनीसंगम में 29 मई को जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के समुचित क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पुष्पराजगढ़ को नोडल अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ को शिविर के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिविर में जन समस्या रजिस्टरध आवेदन रजिस्टर संधारित करते हुए प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।

सूखते जल स्रोतों ने बढ़ाई नर्मदा अंचल की चिंता

नौतपा की तपिश में तड़पता अमरकंटक

मध्य प्रदेश की पवित्र धरती अमरकंटक जहां से जीवनदायिनी माँ नर्मदा का उद्गम होता है, इन दिनों भीषण गर्मी और नौतपा की प्रचंड तपिश से जल संकट की गंभीर चेतावनी झेल रही है। नर्मदा क्षेत्र के प्रमुख बांधों, सरोवरों और प्राकृतिक जल स्रोतों का जलस्तर लगातार घट रहा है। हालात यह हैं कि कई जलाशयों में डेढ़ से दो फीट तक पानी कम हो चुका है। यदि समय रहते वर्षा नहीं हुई तो अमरकंटक का प्राकृतिक संतुलन और जल संपदा दोनों संकट में पड़ सकते हैं।

उमाशंकर (मुन्नू) पांडेय अनूपपुर/अमरकंटक।

अमरकंटक केवल एक धार्मिक नगरी नहीं बल्कि मध्य भारत की जल जीवन रेखा का उद्गम स्थल है। विंध्य और सतपुड़ा की पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित यह क्षेत्र सदियों से प्राकृतिक जल स्रोतों घने वनों और पवित्र सरोवरों के कारण पहचान रखता आया है। किंतु इस वर्ष नौतपा की असामान्य गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान ने इस शांत जल क्षेत्र की सांसें तेज कर दी हैं। लगातार तेज धूप, वाष्पीकरण की बढ़ती गति और वर्षा की कमी के कारण यहां के बांध, सरोवर और छोटे जल स्रोत तेजी से सूखने लगे हैं। इसका असर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यटन, ग्रामीण जल व्यवस्था और धार्मिक आस्था से भी जुड़ गया है। कपिलधारा जैसे प्रसिद्ध जलप्रपातों का कम होता प्रवाह इस संकट की स्पष्ट तस्वीर पेश कर रहा है। विशेषज्ञ इसे आने वाले बड़े जल संकट का प्रारंभिक संकेत मान रहे हैं।

नर्मदा उद्गम क्षेत्र में तेजी से घट रहा जलस्तर

अमरकंटक क्षेत्र में बीते पंद्रह दिनों से लगातार पड़ रही तेज गर्मी ने जल स्रोतों की स्थिति को चिंताजनक बना दिया है। पुष्कर बांध, लक्ष्मी सरोवर, आरंडी संगम और अन्य प्राकृतिक जलाशयों में पानी तेजी से घट रहा है। कई स्थानों पर जलस्तर डेढ़ से दो फीट तक नीचे पहुंच चुका है। क्षेत्र में तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जिससे वाष्पीकरण की प्रक्रिया अत्यधिक बढ़ गई है। वर्षा के अभाव ने स्थिति को और गंभीर कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों के कुएं, तालाब और नलकूप भी अब पानी की कमी का संकेत देने लगे हैं। यह स्थिति बताती है कि यदि मानसून सामान्य नहीं रहा तो अमरकंटक क्षेत्र को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

सावित्री सरोवर बना सूखे संकट की सबसे बड़ी मिसाल

सोनमूड़ा मार्ग स्थित सावित्री सरोवर बांध इस समय सबसे अधिक चिंता का विषय बन गया है। जो सरोवर कभी वर्षभर पानी से लबालब रहता था, वह अब लगभग सूखने की स्थिति में पहुंच गया है। जल स्तर इतना कम हो चुका है कि दूर-दूर तक मैदान जैसी तस्वीर दिखाई देने लगी है।बचे हुए पानी में पशुओं का उतरना और स्थानीय लोगों का सामान्य उपयोग यह दर्शाता है कि जलाशय अब अपनी मूल संरचना और उपयोगिता खोने लगा है। पिछले वर्षों में भी यहां ऐसी स्थिति बनी थी, लेकिन इस बार गर्मी की तीव्रता ने हालात को और भयावह बना दिया है। यह दृश्य पर्यावरणीय असंतुलन और जल संरक्षण की अनदेखी की बड़ी चेतावनी माना जा रहा है।

कपिलधारा का घटता प्रवाह पर्यटकों के लिए चिंता का कारण

अमरकंटक का प्रसिद्ध कपिलधारा जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता और तेज जल प्रवाह के लिए देशभर में पहचान रखता है, लेकिन इस बार यहां का दृश्य बदला हुआ दिखाई दे रहा है। जल स्रोतों में कमी का सीधा असर कपिलधारा के प्रवाह पर पड़ा है। स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के अनुसार, पहले की तुलना में अब जलधारा कमजोर महसूस हो रही है। गर्मी और जल संकट का प्रभाव पर्यटन गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। अमरकंटक आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक यहां की हरियाली और जल संपदा देखने पहुंचते हैं, लेकिन यदि यही हालात बने रहे तो यह प्राकृतिक धरोहर धीरे-धीरे अपना आकर्षण खो सकती है। यह केवल पर्यटन नहीं, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय है।

जल संकट की आहट से ग्रामीण इलाकों में बढ़ी बेचैनी

अमरकंटक के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्तर घटने से लोगों की चिंता बढ़ने लगी है। कई गांवों में कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर नीचे चला गया है। तालाबों और छोटे जल स्रोतों में पानी कम होने से पशुपालन और दैनिक जरूरतों पर असर पड़ने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जून माह तक अच्छी वर्षा नहीं हुई तो पेयजल संकट गहरा सकता है। खेती-किसानी पर भी इसका प्रभाव पड़ने की आशंका है। जंगलों और प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर रहने वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थिति अधिक संवेदनशील मानी जा रही है। यह संकट केवल पानी का नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन, आजीविका और पर्यावरणीय संतुलन से जुड़ा बड़ा सवाल

बनता जा रहा है।

जल संरक्षण ही बचा सकता है अमरकंटक की प्राकृतिक धरोहर

विशेषज्ञों का मानना है कि अमरकंटक क्षेत्र को भविष्य के जल संकट से बचाने के लिए तत्काल प्रभाव से जल संरक्षण योजनाओं को मजबूत करना होगा। वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जंगलों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। यदि प्राकृतिक जल स्रोतों के आसपास अतिक्रमण और अनियंत्रित उपयोग को नहीं रोका गया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल हो सकती है। प्रशासन, स्थानीय समाज और पर्यावरण विशेषज्ञों को मिलकर दीर्घकालिक रणनीति तैयार करनी होगी। अमरकंटक केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और मध्य भारत की जल संस्कृति का आधार है। इसकी जल संपदा को बचाना अब सामूहिक जिम्मेदारी बन चुकी है।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मिलेगी दो लाख तक की सहायता राशि

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अज्ञात वाहन से सड़क दुर्घटना होने पर घायल व्यक्ति तथा मृतक के निकटतम वारिस को सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है। यह प्रावधान केन्द्र सरकार की हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना योजना के तहत लागू किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत अब अज्ञात वाहन की चपेट में आकर जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिजनों को दी जाने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया गया है, जो पहले मात्र 25 हजार रुपये हुआ करती थी। योजना के तहत दुर्घटना में व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने पर सरकार की ओर से 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह पूरी प्रक्रिया एक विशेष सोलेशियम फंड के माध्यम से संचालित होती है। मुआवजा प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी अब पहले के मुकाबले काफी सरल बनाया गया है। दुर्घटना के बाद जैसे ही पुलिस में अज्ञात वाहन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होती है, पीड़ित के निकटतम वारिस संबंधित उप-विभागीय मजिस्ट्रेट या दावा जांच अधिकारी के पास आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होता है।

नर्मदा पुष्कर बांध में डूबने से युवक की मृत्यु, अमरकंटक में पसरा शोक

पवित्र पुष्कर सरोवर में दर्दनाक हादसा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की पावन तपोभूमि एवं धार्मिक-आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक स्थित नर्मदा पुष्कर बांध में गुरुवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया, जहां स्नान के दौरान एक युवक की डूबने से दर्दनाक मृत्यु हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक, संवेदना एवं चिंता का वातावरण व्याप्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं श्रद्धालु घटनास्थल पर एकत्र हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 2 बराती निवासी 45 वर्षीय सुरेश सिंह धुर्वे पिता नर्बद लाल सिंह धुर्वे गुरुवार सुबह घर से मजदूरी कार्य के लिए निकले थे। बताया जाता है कि उन्होंने इंडियन गैस एजेंसी में गैस सिलेंडर ट्रक खाली कराने का कार्य किया था। घर से निकलते समय उन्होंने अपनी भाभी से शीघ्र लौटने की बात कही थी। कार्य समाप्त करने के पश्चात वे मोटरसाइकिल से नर्मदा पुष्कर बांध पहुंचे और स्नान करने के उद्देश्य से पानी में उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुरेश सिंह धुर्वे बांध की पटरी से गहरे हिस्से की ओर बढ़े और लोगों द्वारा मना किए जाने के

बावजूद पानी में छलांग लगा दी। कुछ ही क्षणों बाद वे गहरे पानी में समा गए। जब काफी देर तक वे बाहर नहीं आए तो वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए बचाव का प्रयास किया, किंतु अत्यधिक गहराई के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां पानी की गहराई लगभग 35 से 40 फीट तक है। गहराई अधिक होने के कारण स्थानीय तैराकों एवं गोताखोरों ने भीतर जाने से असमर्थता जताई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना अमरकंटक का दल तत्काल मौके पर पहुंचा तथा अनूपपुर से एसडीआरएफ एवं विशेष रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। रेस्क्यू टीम द्वारा सरोवर में खोजबीन कर शव को बाहर निकालने की कार्रवाई प्रारंभ की गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। यह परिवार के लिए दूसरा बड़ा आघात बताया जा रहा है, क्योंकि लगभग छह माह पूर्व मृतक के बड़े भाई राजेश धुर्वे का भी निधन हो चुका है। मृतक मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था तथा क्षेत्र में सरल एवं मेहनती व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इससे पूर्व भी पुष्कर बांध क्षेत्र में इस प्रकार की दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। बावजूद इसके सुरक्षा व्यवस्था एवं चेतावनी संकेतों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ किया जाए, खतरनाक क्षेत्रों में बैरिकेडिंग लगाई जाए तथा चेतावनी बोर्ड स्थापित किए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। अमरकंटक जैसे राष्ट्रीय महत्व के धार्मिक एवं पर्यटन क्षेत्र में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में जलाशयों, सरोवरों एवं बांध क्षेत्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए जाने की आवश्यकता एक बार फिर इस हादसे के बाद गंभीर रूप से महसूस की जा रही है।

अनूपपुर तहसील में पंखा से टकराकर घायल कबूतर का वन्य जीव संरक्षक ने कराया उपचार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

गुरुवार की शाम अनूपपुर के नए तहसील परिषर के अभिभाषक कक्ष में पंखा से टकरा जाने पर एक कबूतर के घायल होने की सूचना पर वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर द्वारा कबूतर को अपनी अभिरक्षा में रखकर पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों से उपचार कराते हुए निगरानी में रखने हेतु अपने प्रतिष्ठान में सुरक्षित रखते हुए कबूतर के खाने-पीने की व्यवस्था की घायल कबूतर के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आ रहा है। गुरुवार की दोपहर नगर पालिका परिषद अनूपपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामखेलावन राठौर ने जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल को सूचना दी की नवीन तहसील परिसर के अधिवक्ता कक्ष में खिड़की से उड़कर दूसरी ओर जा रहा एक कबूतर पंखा के ब्लेड से टकराकर घायल स्थिति में जमीन में पड़ा है सूचना पर वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल अपने सहयोगी सर्पपहरी छोटेलाल यादव एवं मोहन सिंह के साथ स्थल पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल कबूतर को अपनी अभिरक्षा में लेकर कृत्रिम गर्भाधान केंद्र पसला में पदस्य पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी श्रीमती भारती सिंह के निवास पर कृतिम गर्भाधान केंद्र सीतापुर में पदस्थ पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी ईश्वरदीन सिंह के साथ पंखा के ब्लेड से टकराने पर दोनों पंखो में एवं शरीर के अन्य स्थलो पर गंभीर चोट से पीड़ित कबूतर का प्रारंभिक उपचार कर गर्मी का मौसम होने पर पानी पिलाकर पक्के एवं कच्चे चावल के दानो को खिलाने बाद अग्रिम उपचार के लिए अग्रवाल ने अपने प्रतिष्ठान में कबूतर को रखकर पानी एवं खाना की सामग्री जिसे कबूतर खाते हैं के साथ रखा, कुछ घंटे बाद गंभीर रूप से घायल कबूतर के सही समय पर उचित उपचार हो जाने पर स्वास्थ्य में कुछ सुधार आने से वह स्वयं पानी पीते हुए पका हुआ चावल एवं चावल की कनकी के दानों को खाकर उदर पोषण करते हुए प्रतिष्ठान के अंदर विचरण कर रहा है 24 घंटे से निरंतर निगरानी में होने पर कबूतर के स्वास्थ्य में लगातार सुधार देखा जा रहा है।

एमपी लॉकर ऐप, नागरिक सेवाओं का सुगम माध्यम

अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हुआ डिजिटल प्लेट फ़ॉर्म

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नागरिक सेवाओं के लोक-कल्याणकारी एवं डिजिटल रूपांतरण की दिशा में एक युगांतरकारी नवाचार करते हुए एमपी लॉकर ऐप को राज्य स्तरीय डिजिटल दस्तावेज़ प्लेटफ़ॉर्म के रूप में स्थापित किया गया है। यह प्रयास डिजिटल गवर्नेंसष एवं पेपर लेस एडमिनिस्ट्रेशन के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की एक उल्लेखनीय और अभूतपूर्व उपलब्धि बनकर उभरा है। इससे प्रदेश के नागरिकों को अपने महत्वपूर्ण शासकीय अभिलेखों व प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए डिजिटल कवच प्राप्त हुआ है। यह ऐप गुगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। एमपी लॉकर ऐप से राज्य के नागरिक अपने महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज़ों- जैसे विभिन्न प्रमाण-पत्र, अनुज्ञप्ति (लाइसेंस), अनापत्ति प्रमाण-पत्र कर रसीदें एवं अन्य विधिक प्रलेखों को कभी भी और कहीं से भी सुरक्षित रूप से प्राप्त, संचयित एवं साझा कर सकते हैं। वर्तमान में इस अत्याधुनिक प्लेटफ़ॉर्म पर एवं भोपाल नगर निगम से संबंधित 22 से अधिक नागरिक केंद्रित सेवाएँ सुगमता से उपलब्ध हैं। इनमें मुख्य रूप से संपत्ति कर रसीद, जल कर रसीद, व्यापार अनुज्ञप्ति (ट्रेड लाइसेंस), अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, भवन अनुज्ञा (बिल्डिंग परमिशन) तथा संपत्ति नामांतरण जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण सेवाएँ समाहित हैं। एमपी लॉकर ऐप की विशेषता इसका कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सुसज्जित स्वरूप है, जो नागरिकों को निम्नलिखित विशिष्ट सुविधाएँ प्रदान करता है। स्वचालित दस्तावेज़ अभिज्ञान नागरिकों को अब अपने दस्तावेज़ों को खोजने के लिए किसी मैन्युअल अन्वेषण या जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। यह ऐप पंजीकृत मोबाइल नंबर से संबद्ध समस्त शासकीय दस्तावेज़ों की स्वतः पहचान कर उन्हें तत्काल स्क्रीन पर प्रदर्शित कर देता है। वैधता समाप्ति पूर्व सूचनारू नागरिक हितों को सर्वोपरि रखते हुए इसमें रिमाइंडर सिस्टम जोड़ा गया है। यह प्रणाली किसी भी दस्तावेज़ या लाइसेंस की वैधता समाप्त होने से पूर्व ही नागरिक को स्वतः सूचित कर सचेत कर देती है, जिससे समय रहते उनका नवीनीकरण सुनिश्चित हो सके और नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। एमपी लॉकर ऐप के क्रियान्वयन से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में दक्षता आई है। नागरिकों की शासकीय कार्यालयों तक होने वाली 70 से 80 प्रतिशत भौतिक यात्राओं में कमी दर्ज की गई है, जिससे उनके धन और श्रम दोनों की महती बचत हो रही है। दस्तावेज़ों को प्राप्त करने की अवधि दिनों से घटकर क्षणों में सिमट गई है। एमपी लॉकर ऐप को सर्वसमावेशी एवं जन-जन के लिए सुलभ बनाने के लिये भारत सरकार के भाषिनी प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से बहुभाषीय समर्थन प्रदान किया गया है, जो भाषाई बाधाओं को दूर कर अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुशासन की पहुँच सुनिश्चित करता है। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी योजना के अंतर्गत आगामी चरणों में मध्यप्रदेश सहित केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों की लोक-सेवाओं को भी क्रमिक एवं व्यवस्थित रूप से एमपी लॉकर ऐप के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसके साथ ही, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं उद्यमों के लिए "एंटीटी लॉकर" की विशेष सुविधा का प्रावधान भी किया जा रहा है, जिसके माध्यम से संस्थान अपने महत्वपूर्ण वाणिज्यिक एवं वैधानिक दस्तावेज़ों को सुरक्षित परिवेश में संचयित और प्रबंधित कर सकेंगे।